G.D GOENKA PUBLIC SCHOOL SRINAGAR

SUBJECT – HINDI Date: 12-08-2021

ASPECT – Supporting Content

TOPIC/ विषय-बड़ा कैसे बनूँ (chapter-4)(page no-24,25)

NOTE: This PDF is not to be printed

Objective/ उद्देश्य:बच्चों के कौशल में सुधार आएगा।

Note:-नीचे दिए गए प्रसंग को अच्छे से पढ़ने।

वरूण अपने पापा के जूते पहन रहा था। माँ ने मना किया। वे बोलीं—वरूण , पापा के जूते मत पहनो। तुम गिर जाओगे। वरूण ने जूते नहीं उतारे। वह धीरे-धीरे चलता हुआ पापा के पास गया। पापा ने उसे अपने जूते पहने देखा तो समझाया — वरूण, तुम्हे कितनी बार मना किया है, मेरे जूते मत पहना करे। जूते खराब हो जाएँगे। हाँ, तुम इन्हे पहनकर चलोगे तो गिर भी सकते हो।

वरूण रोने-रोने को हो आया। वह रुआँसी आवाज़ में बोला— मैं कब बड़ा होऊँगा? मैं भी आपकी तरह बड़ा होना चाहता हूँ। बड़े भैया की तरह आपके जूते पहनना चाहता हूँ।

पापा ने वरूण को गोदी में उठी लिया। प्यार किया। फिर समझाया — बेटा! तुम अच्छी तरह खाओ-पिओ, खेलो-कूदो, फिर तुम जल्दी ही बड़े हो जाओगे। बिलकुल भैयी जितने बड़े और फिर मेरे जितने बड़े।

तभी माँ उधर आ गईं। वे कहने लगीं—वरूण तो ठीक से भोजन नहीं करती फिर बड़ा कैसे होगी! यह तो जूते पहनकर बड़ा होना चाहता है !पापा बोले-सुना वरुण,माँ कह रही हैं तुम ठीक से खाना नहीं खाते।दूध नहीं पीते।तम्हें बड़ा होना है तो अच्छी तरह खाओ,पिओ ।